

विद्यालय दर्पण

(बेहतर शिक्षा देने का एक प्रयास)



आलोक प्रकाशन

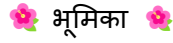
विद्यालय दर्पण

(बेहतर शिक्षा देने का एक प्रयास)

युगेश्वरी साहू

C - युगेश्वरी साहू – 2023

आलोक प्रकाशन



मैं 2005 से सहायक शिक्षक के पद पर हूँ। जब मैंने अध्यापन कार्य प्रारंभ किया तो समझ में नहीं आता था कि बच्चों को कैसे विषय वस्तु को अच्छे से सिखा पाऊंगी। फिर मैं बच्चों के मनोभावों को समझती गई और मैंने कुछ नवाचार करना प्रारंभ किया। टी.एल.एम. का निर्माण किया। इससे मैंने जाना कि बच्चे प्रत्यक्ष रूप से जब विषय वस्तु देखते हैं, तो आसानी से समझते हैं। साथ ही मैं प्रतिदिन बच्चों को बाल कविता सुनाती थी। इससे उनमें बोलने का अभ्यास हुआ और नई-नई कविता सुनने के लिए उत्सुक रहने लगे। खेल-खेल में सिखाने लगी। इससे बच्चों के स्तर में भी सुधार होने लगा। मैं हमेशा बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करती हूँ, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। इस पुस्तक में मेरे द्वारा किये गए नवाचार एवं विद्यालय की कुछ गतिविधियाँ और मेरी उपलब्धियाँ हैं। आशा करती हूँ कि आप सबको पसन्द आएगी।

युगेश्वरी साहू

कन्या प्राथमिक शाला

पवनी

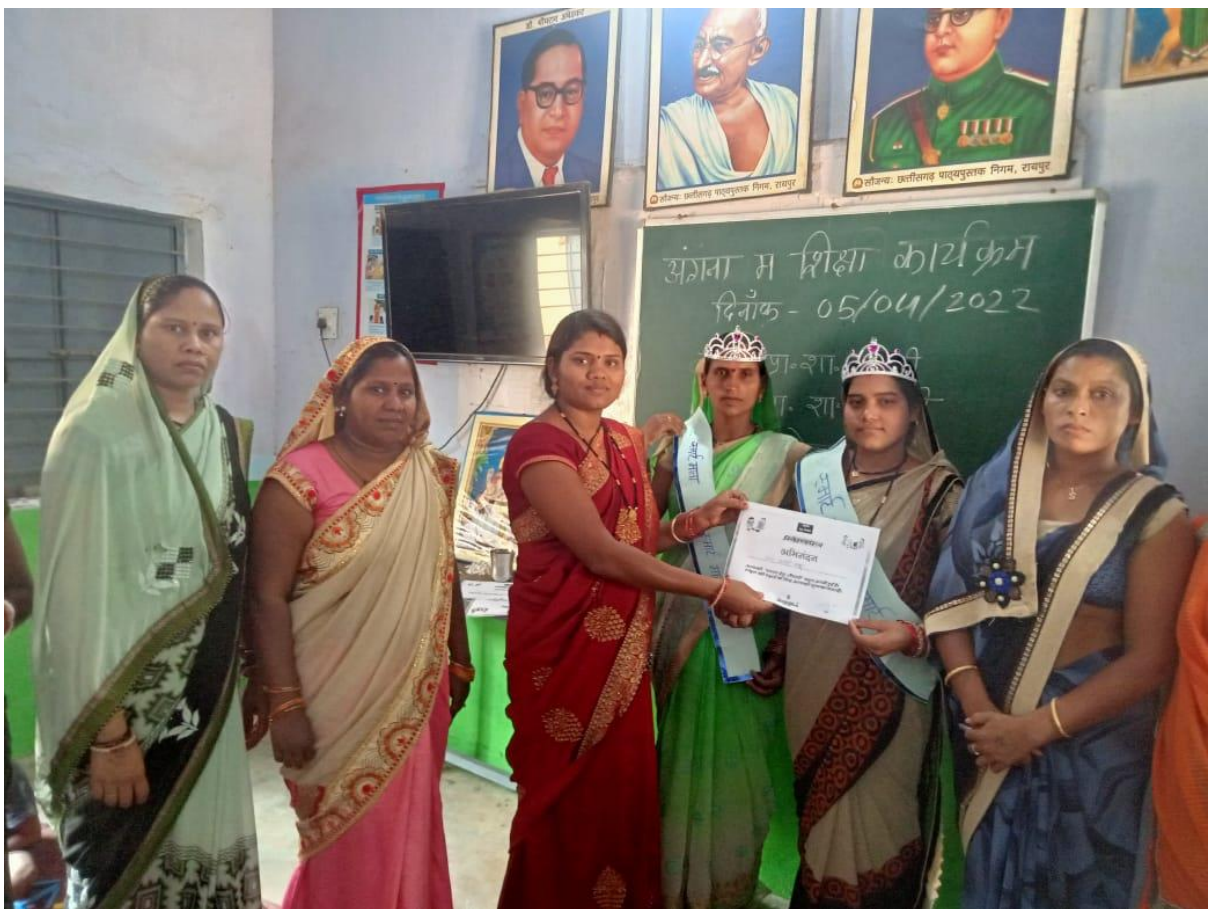
सारंगढ-बिलाईगढ

अनुक्रमणिका

🌸 अंगना म शिक्षा कार्यक्रम 🌸	5
🌸 समर कैंप का आयोजन 🌸	6
🌸 TLM का निर्माण 🌸	7
🌸 रंगोली 🌸	9
कन्या प्राथमिक शाला पवनी में शनिवार को बाल सभा के आयोजन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमे बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं।और आकर्षक रंगोली बनाते हैं।	9
.....	9
🌸 वार्षिक कैलेंडर 🌸	10
🌸 हिंदी दिवस 🌸	10
🌸 खेल 🌸	11
🌸 नवाचार 🌸	12
🌸 हमारे नायक 🌸	13
🌸 योग प्राणायाम 🌸	14
🌸 साफ सफाई 🌸	15
स्वच्छता पखवाड़ा 🌸	16
🌸 कबाड़ से जुगाड़ 🌸	17
🌸 बागवानी 🌸	19
🌸 फलैक्सी निर्माण 🌸	20
🌸 जादुई पिटारा का निर्माण 🌸	21
🌸 बेल्ट हेयर बेल्ट, मोजे वितरण 🌸	22
🌸 किलोक पत्रिका में स्वरचित कविता 🌸	23
🌸 उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 🌸	24

❀ अंगना म शिक्षा कार्यक्रम ❀

स्कूल में माता उन्मुखीकरण के अंतर्गत अंगना म शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन कर स्मार्ट माता को सम्मानित किया गया जिससे माताएं भी घर में बच्चों को पढ़ाती हैं।



❀ समर कैंप का आयोजन ❀

लगातार दो वर्षों से ग्रीष्मकालीन अवकाश में समर कैंप का आयोजन कर बच्चों को पेपर आर्ट ,मिट्टी के खिलौने, महेंदी कला, चित्र कला आदि सिखाया गया।



❀ TLM का निर्माण ❀

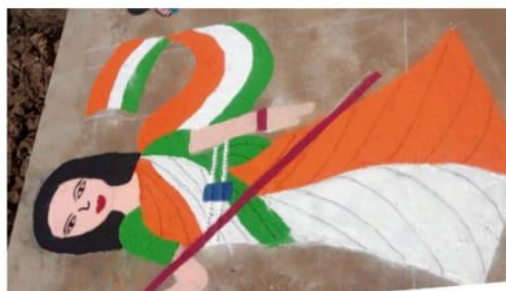
शिक्षण कार्य में TLM का अधिक से अधिक उपयोग करके शिक्षण कार्य किया जाना। इससे बच्चे देखकर आसानी से सीखते हैं।





❀ रंगोली ❀

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में शनिवार को बाल सभा के आयोजन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। और आकर्षक रंगोली बनाते हैं।



❀ वार्षिक कैलेंडर ❀

शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी में वार्षिक कैलेंडर बनाया जाता है। उसी के अनुसार प्रत्येक माह अध्यापन कार्य एवं गतिविधियां करायी जाती है।



❀ हिंदी दिवस ❀

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के दिन हिंदी पुस्तक वाचन एवं बच्चों को गीत कविता सुनाया जाता है।



❀ खेल ❀

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में प्रतिदिन बच्चे विभिन्न प्रकार के खेल खेलते हैं। इसमें हम शिक्षक सहयोग करते हैं। खेल के नियमों के बारे में बताते हैं



❀ नवाचार ❀

मेरे द्वारा विभिन्न प्रकार के TLM का निर्माण किया गया है। जिसका उपयोग प्रतिदिन अध्यापन कार्य में किया जाता है



हमारे नायक

कोरोना काल में अभ्यास पुस्तिका एवं ऑनलाइन के माध्यम से बच्चों को अध्यापन कराने के लिए पढ़ाई तुंहर दुआर छत्तीसगढ़ पोर्टल पर हमारे नायक का स्थान मिला

9:23

CG School
cgschool.in

पढ़ाई तुंहर दुआर

विद्यार्थी पंजीयन शिक्षक पंजीयन लॉग इन पासवर्ड भूल

CGBSE द्वारा संचालित राज्य स्तरीय ऑनलाइन कक्षा

हमारे नायक

अधिकारी - लक्ष्मीकांत सिंह

Read More

शिक्षक - Smt.Yugeshwari sahu

Read More

शिक्षा के गोठ (मासिक ई-यूजलेटर)

औडियो podcasts

होम डैशबोर्ड हेल्पलाइन

cgschool.in/OurH...

cgschool.in

Smt.Yugeshwari sahu

हमारे नायक

अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखे रखने वाली शिक्षिका

हरी साहू
शिक्षक
नया प्राथमिक शाला पढ़ाती
इ - किलाईगढ़, जिला - बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़)

अपने आप पर धरोसा रखें क्योंकि यह धरोसा ही आपको लंबा रास्ता तय कर सकता है।

शिक्षक आशा को प्रेरित कर सकता है, कल्पना को उत्तेजित कर सकता है और सीखने का प्यार पैदा कर सकता है। वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहां बंद हो जाता है। एक अच्छा शिक्षक खुद को उन लोगों की मदद करने के लिए तैयार रखते हैं।

इ के 13 वें चरण में समग्र शिक्षा कार्यक्रम के द्वारा प्रदान किए गए। अभ्यास पुस्तिकाओं का विद्यार्थियों द्वारा पढ़ाया जा रहा है, जिसमें बच्चों के पालक उनके सहयोगी बन रहे हैं। शिक्षकों द्वारा उनका नियमित मॉनिटरिंग किया गया है।

महारी नामक बलौदाबाजार भाटापारा जिले के किलाईगढ़ विकासखण्ड की सहायक शिक्षिका श्रीमती पुणेबुरी साहू ने के बाद भी सभी कक्षाओं में स्वरुचि से भाग लिया। इनके विद्यालय क्षेत्र में आपको सभी धीम नजर आएंगे, बच्चे के पर यह अपना शत प्रतिशत प्रयास करती है, जिससे बच्चे सीखने हेतु रुचि लेने लगे।

द हो तब हम आसमान को भी छू सकते हैं। जब मार्च 2020 में कोरोना महामारी की वजह से विद्यालय बंद हो गया। शुरुआत में बच्चों के पास मोबाइल नहीं होने के कारण बहुत कठिनाई होती थी, फिर इन्होंने एक ही मोबाइल ऑनलाइन कक्षाओं संचालन की। कोरोना काल में लगभग 130 ऑनलाइन कक्षाओं संचालित की उसके बाद।

शिक्षकों के माध्यम से शैक्षिक कार्य को संचालित करना :- समग्र शिक्षा के द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के रसा 3 से 5 तक के बच्चों को हिंदी तथा अंग्रेजी वर्क बुक में कर्सिंग राइटिंग एवं हिंदी में छोटी- छोटी कहानियाँ से द्वारा बच्चों को घर में मदद किया जा रहा है। इनके द्वारा क्वार्टरएप पुप के माध्यम से अभ्यास कार्यों की जानकारी देकर सामग्री का उपयोग :- लगभग 40 टी. एल.एम. का निर्माण इनके द्वारा किया गया है। जैसे- वित्तोम मा माता अभ्यास, जोड़ का खेल, गुहा की मशीन, जानवरों का बगु चिट, धान का फसल पाक, महापुरुषों का व्युत्पत्ति :- का निर्माण :- गांव मोहल्ले में लगभग 10 सिटिथि कार्य विभिन्न स्थानों में इनके द्वारा किया गया है, जिसमें सप सों के नाम, विभिन्न आकृतियाँ, फलों के नाम आदि हैं।

शिक्षा कार्यक्रम :- इस कार्यक्रम के अंतर्गत अपने विद्यालय के कक्षा पहली के बच्चे तथा आंगनवाड़ी के लगभग संचर्क करके सीखने के लिए प्रेरित किया गया।

रा के माध्यम से बच्चों को प्रेरित करना :- इनके बच्चों के लिए कई बार कविताएँ लिखी गई हैं। कक्षाएं संचालन में ला है, जिसको बच्चे सुनने के लिए बहुत उत्सुक रहते हैं, फिर पढ़ाई में मन लगाते हैं।

हे ना कि - सफलता की राह में असफलता मिले, तो घबराइए मत, होसला बनाए रखिए, दम लगाकर कोशिश कर देंगे।

संलग्न लेखक : श्रीमती सीमा मिश्रा, शिक्षक, विकासखण्ड - भाटापारा, जिला - बलौदाबाजार - भाटापारा

❀ योग प्राणायाम ❀

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में प्रत्येक शनिवार को स्कूल सुबह लगती है इसमें बच्चों को योग प्राणायाम सिखाया जाता है एवं उनके महत्व को भी बताया जाता है



❀ साफ सफाई ❀

शाला प्रांगण में साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रांगण में कचरा डालने के लिए कचरा डिब्बा रखा गया है। पूरा प्रांगण साफ सुथरा रहता है।



स्वच्छता पखवाड़ा

स्कूल में प्रत्येक वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है जिसमें बच्चों को साफ सफाई के बारे में बताया जाता है साथ ही साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है और प्रथम द्वितीय तृतीय को प्रोत्साहित किया जाता है.



❀ कबाड़ से जुगाड़ ❀

कन्या प्राथमिक शाला पवनी में बच्चों के लिए संकुल स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जसमें बच्चे TLM का निर्माण करते हैं





❀ बागवानी ❀

किचन गार्डन में साग - भाजी लगाया जाता है साथ ही साथ बागवानी फूल पौधे हैं इससे स्कूल प्रांगण पूरा हरा भरा रहता है



❀ फ्लैक्सी निर्माण ❀

स्कूल में दीवाल पर कई महत्वपूर्ण जानकारियों की फ्लैक्सी लगा है ताकि बच्चे आते जाते उसको देखें और आसानी से सीख सकें



❀ जादुई पिटारा का निर्माण ❀

जादुई पिटारा का निर्माण मेरे द्वारा किया गया है इसमें बच्चों के लिए कई प्रकार के खिलौने मुखौटा और सीखने हेतु शिक्षण सामग्री है। इसे देखने के लिए बच्चे बड़े ही उत्सुक रहते हैं



❀ बेल्ट हेयर बेल्ट, मोजे वितरण ❀


मैं अपने जन्म दिवस पर 2 वर्षों से विद्यालय के सभी बच्चों को हेयर बेल्ट एवम बेल्ट ,मोजे प्रदान करती आ रही हु



❀ किलोक पत्रिका में स्वरचित कविता ❀

मेरी स्वरचित कविताएँ बाल पत्रिका किलोल में प्रकाशित हुई हैं

होली
रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़




देखो देखो रंगों का मौसम आया है
सबके मन को रंगीन बनाया है
बोले सब मीठी मीठी बोली
साथ मिलकर सब खेलें होली
सबके दिल से नफरत को मिटाया है
देखो देखो रंगों का मौसम आया है.

हो रही रंग गुलालों की बारिश
बच्चे बूढ़े पूरी कर रहे अपनी ख्वाहिश
बिछड़े हुए सब मित्रों को मिलाया है
देखो देखो रंगों का मौसम आया है.

सब के घर बन रही गुजिया मिठाई
चारों तरफ से महकती खुशबू आई
सबके दिल के गम को छुवाया है
देखो देखो रंगों का मौसम आया है.

आम
रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़



आम फलों का राजा है
खट्टा मीठा ताजा है.
गर्मी के मौसम में आता
सब बच्चों के मन को भाता.
आओ पेड़ पर चढ़ जाए
डाल पकड़कर उसे हिलाएं.
आम गिरता टप-टप-टप
बिनो- बिनो झटपट-झटपट.
आम का अचार बनाये
खा-खा हम मजे उड़ाएं..


धान अऊ किसान
रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़



हमर छत्तीसगढ़ के प्रमुख फसल धान है
खून पसीना बहाके उपजावत ओला किसान है.
किसान हर बिखला पानी में मेहनत करधे
धन्य है ओखर चोला सदीं गर्मी ल सहत रहिधे.
ताब जाके मिलथे हमन ल बोरा-बोरा धान
धन्य है मोर छत्तीसगढ़ के छत्तीसगढ़िया किसान.
पहिली के किसान नागर बड़ला ह संगवारी बनाय रहय
चटनी बासी खावय शरीर ल स्वस्थ बनाय रहय.
आज के जमाना में खेती होथे टेक्टर अऊ थ्रेसर से
विज्ञान के चमत्कार में खुश अऊ मुक्त हावय प्रेसर से.

धान के खेती हर अरबदू सुख देथे
किसान मन के मन ल एर लेथे.
छत्तीसगढ़ के माटी हर उगलथे सोन सही धान

1 मई मजदूर दिवस
रचनाकार- श्रीमती युगेश्वरी साहू, बिलाईगढ़



मैं एक मजदूर हूँ
मेहनत करने पर मजबूर हूँ
अपना खून पसीना खूब बहाता हूँ
कभी वक्त की मार पड़े तो
भूखा ही सो जाता हूँ.
कठिन समय में भी मैं
अपना ईमान नहीं खोता हूँ.
भले ही सपनों के
आसमान में जीता हूँ.
अधियारा है जीवन मेरा
उजाले से बहुत दूर हूँ.
मैं एक मजदूर हूँ
मेहनत करने पर मजबूर हूँ.
है मेरे भी ख्वाब बहुत

❀ उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान ❀

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं नवाचारी गतिविधियों के लिए शिक्षा विभाग तथा शिक्षा अकादमी की ओर से सम्मान मिला



नी की शिक्षिका श्रीमती यो साहू को मिला बेस्ट टीचर अव

शिक्षक कला व साहित्य छत्तीसगढ़ जिला जांजगीर शपथ ग्रहण एवं सम्मान आ आयोजन जांजगीर के स्वन में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि में श्री नारायण चंदेल व पूर्व विधानसभा छत्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि में सुखनंदन राठौर एसपी रायपुर नवागढ़ बो मार लहरी उपस्थित थे। इन समारोह में जिला नार विकासखंड बिलाईगढ़ के कन्या प्राथमिक शाला पवनी में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती कला व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु बेस्ट टीचर अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया। श्रीमती साहू विधायक नारायण चंद्र के मुख्य अतिथि में शिवपाल प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंट ' , इस उपलब्धि के लिए जिला मिशन समन्वयक आर सोमेश्वर राव, विकास खां शी संकुल प्राचार्य प्रिया साहू, संकुल समन्वयक कोमल प्रसाद साहू, विनोद कुमार देवांगन, मेहतर देवांगन, खेमराज साहू, चंद्रिका साहू, भगवती साहू एवं कई शिक्षक शामिल थे।



बिलाईगढ़ की शिक्षिका युगेश्वरी साहू को मिला स्वदेश गौरव सम्मान



अमन पथ न्यूज

पवनी। विकासखंड बिलाईगढ़ के समीपस्थ ग्राम पवनी के शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी संकुल की शिक्षिका युगेश्वरी साहू को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य

और विभिन्न प्रकार के कविताओं के लिए स्वदेश गौरव सम्मान 2020 से सम्मानित किया गया। साथ ही साथ विशिष्ट स्वदेश प्रेमी सम्मान के साथ साथ शिक्षा कला एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ से कविताओं के

न्य निवेश नवाचार क्रियान्वर हेतु युगेश्वरी साहू सम्मानित



लाईगढ़, (अजय उजाला)। श्री शे सोसायटी द्वारा कोरोना काल में लॉक से लेकर विद्यालय खुलने के समय तक वर्तमान समय में शिक्षकों की क्षमता निर्माण के साथ शून्य निवेश नवाचारों के ता पूर्वक प्रयोग हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण जारी है। जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता सीखने के प्रतिफल प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण

काफी मददगार साबित हो रहा है। इस में निरंतर उपस्थिति और भागीदारी त विद्यालय में सफलतापूर्वक नवा उपयोग हेतु युगेश्वरी साहू शासकी प्राथमिक शाला पवनी को विकासख समन्वय केन्द्र बलीदाबाजार में जि अधिकारी सी.एस. ध्रुव द्वारा सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम विकासखण्डों से 35 शिक्षकों को किया गया। इस कार्यक्रम में श्री सोसायटी से प्रशिक्षक अनीस बलीदाबाजार बी.आर.सी. सी.आर. बिलाईगढ़ ब्लॉक से श्रीमती सरोज शिक्षक मेहतर लाल देवांगन, साहू, शामिल रहे। सम्मान मिलने प समन्वयक कोमल साहू, चंद्रिका कृष्णशंकर साहू, प्रदीप शर्मा महेश साहू, अतिमा कंवर एवं शिक्षा जगत अन्य लोगों ने बधाई दी है।



पवनी। शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी में सम्मानित रहा है। संकुल की शिक्षिका श्रीमती युगेश्वरी साहू द्वारा का आयोजन सुबह 8 से 10 बजे तक बच्चों को कई रहा है। जिसमें मिट्टी का खिलौना, कागज का पेपर 3 जैसे कई सृजनात्मक व रचनात्मक कार्यों को सिखाया

कृति

किया जाता है।
हृदय सबके पास-
में मिथक आकर

धर्म की पुरातन
के पास-पास
सि हावी होने के
म पर एक-दूसरे
रिश्ता का संघर्ष
र है। बेशक हम
हो जाएँ, हमारी
ले विभिन्न वर्गों
मिले: दिन में तीन
त करके आने के
से हो आयेगी।
से जुड़ा है।
म है, अतः ही तो
। आसन्न पर्व है।
आसन्न का यह
। लिए जरूरी है
र इस पावन पर्व
हों।

आराधना बंधारे
खरिसिया,

छूने दो मुझे आसमान

छूने दो मुझे आसमान।
कठोरनी राखडियों के तारों और चांद।
खरबडिया है नीला गगन की चुने की।
पंखों की तरह आसमान में उड़ने की।
पूरा करनी अपने आसमान।
छूने दो मुझे आसमान।
गरी हूँ तो क्या हुआ
खन ली है मेरे भी उड़ान भरने की।
अगर हीसात है बुलंद तो
बल ली उड़ने की।
गरी हो या पुरुष सबको दो सम्मान।
छूने दो मुझे आसमान।
गन्भी काँ कापका पावला भी
तो गरी की।
विश्वोने देश के लिए
कुछ करने की उनी की।
साहस मुझे भी दो का साह
रोशन अपने देश का नाम।
छूने दो मुझे आसमान।
दुनिया में आँ हूँ तो कुछ
करके जाऊँगी।
अपने कर्मों की पूरी तरह निभाऊँगी।
चाहे पानी जाए मेरी जान।
छूने दो मुझे आसमान।

श्रीमती युगेश्वरी साहू (शिक्षिका)
पवनी छत्तीसगढ़



त जैन, संजीव जायसवाल, पूनम कोठारी आदि मौजूद रहे।

तेरा दर लागे मुझे प्यारा

माँ तेरा दर मुझे लागे प्यारा प्यारा।
सुंदर-सुंदर न्यारा न्यारा।
तेरे दरबार में ऐसी शक्ति है।
जो आये यहाँ मिलती उसे भक्ति है।
तेरे दर पे सुख शान्ति का वास है।
दुखिया दुखड़े सुनाती तेरे पास है।
निबल को देती हो तुम सहाय।
माँ तेरा दर.....
सुंदर-सुंदर.....
जो कोई तेरे दर पे जाता है।
अपनी झोली भरकर आता है।
माँ तेरे दरबार में जब सजती है जगराता।
सभी का मन भक्ति में डूब जाता।
तेरी कृपा से भाग्य बन जाता चमकता सितारा।
माँ तेरा दर.....
सुंदर-सुंदर.....

श्रीमती युगेश्वरी साहू
पवनी (बिलाईगढ़)
जिला-बलौदाबाजार (छ. ग.)

चेहरे खुली किताब

चेहरे खुली किताब है मनोभावों की मीठी अहसास है।
कभी दिल की बातों को बया करती।
कभी दर्द को मुस्कानों में छुपाती।
कभी मुई मुई की तरह मुझा जाती।
और कभी कमल की तरह खिलखिलाती।
गजब होती चेहरे की शबाब है।
चेहरे खुली किताब है।
मनोभावों की मीठी अहसास है।
कभी नज़रों से अपार प्रेम छलकाती।
कभी दर्द भरी आंसू की धार बहाती।
कभी मन की हसरतों को बया करती।
खुशियाँ मिले तो चांद सा चमकती।
और उज्ज्वल में बन जाती काली रात है।
चेहरे खुली किताब है।
मनोभावों की मीठी अहसास है।



@किरणदूत
युगेश्वरी साहू
पवनी (छत्तीसगढ़)

कोरोना में उत्सव

कहते हैं जान है तो जहाँ है जब हम जीवित रहेंगे तब सारी दुनिया तो देख सकेंगे दुनिया में कई तरह के प्राणी विधाता ने रनाया है। उसमें मनुष्य को एक बुद्धि जीवी प्राणी माना गया है फिर भी आज मानव की बुद्धि भ्रष्ट होते जा रही है। आज प्रकृति में इतनी बड़ी महामारी कोरोना छया हुआ है अनेको की जाने जा रही है। ऐसे में अपनी सावधानियाँ जैसे मास्क लगाना, भीड़ भाड़ जगहों पर नहीं जाना आदि ही अपनी सुरक्षा है। फिर भी लोग लापरवाही कर रहे हैं। कम लोगो के शामिल होने की अनुमति ले रहे और अधिक संख्या में लोगो को शामिल करके इस कोरोना काल में उत्सव शादी ब्याह और कई उत्सव मना रहे हैं और ये नहीं सोच रहे के इसका अंजाम बुरा भी हो सकता है हम अपनो को भी खो सकते हैं।

इसलिए अभी कोरोना काल में कोई भी उत्सव पर रोक लगना चाहिए नहीं तो खुशियाँ मातम में बदल सकता है। जब जिंदगी रहेगी तो उत्सव को और धूमधाम से मना सकते हैं।

श्रीमती युगेश्वरी साहू (शिक्षिका)
पवनी छत्तीसगढ़





श्रीमती युगेश्वरी साहू

सहायक शिक्षक

शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी विकासखंड-बिलाईगढ़

जिला -सारंगढ बिलाईग